

विधायक दल की बैठक बुलाने का जोखिम नहीं लेना चाहता आलाकमान, क्योंकि 2 5 सितम्बर की घटना में उसकी किरकिरी हो चुकी

इसी के साथ पायलट खेमे को संतुष्ट करने के लिए नोटिस का जवाब देने वाले तीनों नेताओं पर कार्यवाही भी की जा सकती है, इस क्रम में रंधावा कई नेताओं से अकेले में बात कर चुके हैं

जयपुर, 22 मार्च (का.प्र.) कांग्रेस आलाकमन इस समय भयभीत नजर आ रहा है। इसका कारण यह है कि सचिन पायलट ने जहां 25 सितंबर 2022 के घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस अनुशासन समिति की ओर से तीन नेताओं को दिए गए नोटिस पर कार्यवाही नहीं होने का मुद्दा उठाया है तथा पायलट खेमे के एक विधायक ने भी यही मांग उठाने के साथ विधायक दल की बैठक बुलाने की मांग की है, तो मंत्री प्रताप सिंह खारिचारियावास ने भी इसका समर्थन किया है, लेकिन 25 सितंबर के घटनाक्रम में मात खाने के बाद अब पार्टी आलाकमान वैसा ही घटनाक्रम दोहराना नहीं चाहता है।

यही कारण है कि एक ओर तो कांग्रेस आलाकमान पूरे मामले को लटका कर रख रहा है, दूसरी तरफ राजस्थान में चुनावी समय नजदीक आता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस के विधायक आशंकित दिख रहे हैं कि यदि

जल्दी ही इस पूरे मसले पर कोई निर्णय नहीं हुआ, तो दोनों खेमों के बीच इस अंतर्द्वंद का नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल विधायक भले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ ज्यादा रहना चाह रहे हो, लेकिन अधिकांश विधायक सचिन पायलट को एडजस्ट किए जाने को लेकर भी सकारात्मक रख दिखा रहे हैं, लेकिन निर्णय तो पार्टी आलाकमान को भी लेना है।

इधर एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि जिस तरह से सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों ने 25 सितंबर के घटनाक्रम को लेकर फिर से चर्चा शुरू की है, वहीं राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा है कि विधायकों की मांग पर, जरूरत पड़ने पर वे विधायक दल की बैठक बुलाने की बात कर सकते हैं। यही कारण है कि रंधावा ने अपनी 2 दिन की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री अशोक

■ **एक सुझाव यह भी आया है कि, सचिन पायलट को पी.सी.सी. या चुनाव कैम्पेन कमेटी का अध्यक्ष बना दिया जाए। पर यह मान्य नहीं होगा यह दिल्ली भी जानती है। फिर क्या यह केवल भ्रमिit करने की चेष्टा है।**

गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अलावा प्रताप सिंह खारचरियावास, महेश जोशी सहित कई विधायकों से विधानसभा में अलग से चर्चा की है, ताकि विवादों का हल निकाला जा सके।

चर्चाओं में यह तो तय हुआ है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाए। बताया जा रहा है कि आने वाले 15 दिनों में राजस्थान में मंत्रिमंडल का फेरबदल हो सकता है, जिसमें करीब 1० मंत्रियों को सत्ता से हटाकर संगठन में भेजा जा सकता है, लेकिन असली समस्या यह है कि आखिरकार सचिन पायलट को कहां एडजस्ट किया जाए। जानकारी के

अनुसार सचिन पायलट मुख्यमंत्री पद से कम पर मानने को तैयार नहीं है, लेकिन दूसरी ओर 25 सितंबर 2०22 के घटनाक्रम को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान किसी भी स्थिति में फिर से वही विवाद नहीं चाहता। ऐसे में अब चर्चा यह है कि सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया जाए और यदि वे इस बात पर तैयार नहीं होें, तो उन्हें 2०23 विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कैम्पेन कमेटी का अध्यक्ष बना दिया जाए। यदि सचिन पायलट इन दोनों में से किसी एक पद पर आ जाते हैं, तो वे टिकट बंटवारे में अपनी राय जाहिर कर पाएँ और यदि उन्हें कोई पद नहीं

मिल पाता है, तो फिर वह टिकट बंटवारे में अपनी राय नहीं रख पाएँगे। इसीलिए उनके विधायकों को और समर्थकों को यह आशंका सता रही है कि कहीं उनके टिकट न काट दिए जाएँ। इसी के साथ 25 सितंबर वाले मामले में तीनों नेताओं पर कार्यवाही कर दी जाए। इससे भी पायलट खेमे को खुश किया जा सकता है।

कहा जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बदलाव को लेकर तो तैयार है, लेकिन चुनाव से 6 महीने पहले मुख्यमंत्री बदलने के लिए एक बार फिर विधायक दल की बैठक बुलाने को तैयार नहीं है। इसका कारण यही बताया जा रहा है कि जिस तरह का घटनाक्रम 25 सितंबर 2०22 को हुआ, उसमें आलाकमान की किरकिरी हुई थी। उस घटनाक्रम के गवाह खुद मल्लिकार्जुन खड़गे हैं जो कांग्रेस अध्यक्ष बन चुके हैं। ऐसे में उन्हें

भारत ने पलटवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पर टिप्पणी करने से बचने की कोशिश की है।

भारत ने ऐसा कदम अंतिम बार 2०13 में तब उठाया था, और अमेरिकन दूतावास के बाहर सुरक्षा बैरिकेड्स हटा दिये गये थे। यह कार्यवाही अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरगो के “बॉडी सर्च” तथा गिरफ्तारों के प्रतिकार स्वरूप की गई थी। ज्ञातव्य है कि देवयानी पर कथित रूप से वीजा-फ्रांड तथा भारत के एक भरोलू नौकर के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप थे।

1० साल पुराने इस खोबरगो प्रकरण के दौरान, भारत ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों में कटौती कर दी थी तथा अमेरिका ने कानून-निर्माताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को भी भारत के शीर्ष अधिकारियों से नहीं मिलने दिया गया था। इस समय, भारत सरकार इस दिशा में बढ़ती प्रतीत नहीं हो रही है। पुग्न्वार को, अक्षय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने तो डिफॉर्मैन्ट एंक्ट एनर्जी रियूयोरिटो एंड नैट ज़ीरो के ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मीटिंग तक की। जहाँ तक ब्रिटिश सरकार का प्रश्न है, उसने लंदन में “इंडिया हाउस” के

–लक्ष्मण वेंकट कुची–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 22 मार्च। कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के लिए स्थिति खुशनुमा नहीं है। ए.आई.सी.सी. अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले लोकसभा चुनाव में हराने में भाजपा की मदद करने वाले नेता बाबूराव चिंचान्सुर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले लोकसभा चुनाव में हराने में भाजपा की मदद करने वाले नेता बाबूराव चिंचान्सुर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार की उपस्थिति में

बुधवार को कांग्रेस में शामिल होग। इस स्थिति में कोई अच्छी बात है तो वह यह कि चुनावों की घोषणा से ठीक पहले भाजपा नेता का कांग्रेस में शामिल होना विपक्षी पार्टी (कांग्रेस) के लिए उत्साहनजनक है जो कि चुनाव प्रचार में उर्जा और आक्रामकता दिखा रही है।

कोली-कब्बालिगा समुदाय के एक प्रमुख नेता का कांग्रेस में शामिल होना भाजपा के लिए एक करारा झटका है। क्योंकि उसे इसकी उम्मीद ना के बराबर थी। सोमवार को यह सार्वजनिक हो गया कि भाजपा के लोग पार्टी छोड़ रहे हैं और

■ **कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़ने का सिलसिला और तेज हो गया है। भाजपा के बाबूराव चिंचान्सुर कांग्रेस में लौट आए। गौरतलब है कि, बाबूराव ने गत आम चुनाव में खड़गे को हराने में भाजपा की मदद की थी।**

बताया जाता है कि उनका रूख कांग्रेस की ओर है। बाबूराव के लिए यह एक तरह से घर वापसी जैसा था क्योंकि चुनाव हारने के बाद वर्ष 2018 में वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। वह इससे पहले सिद्धारमेय्या सरकार में मंत्री लोकेशन, भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने गुलबर्गा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में खड़गे को हराने में प्रमुख भूमिका निभाई और अब अपनी पसंद पार्टी में उनकी वापसी को विधानसभा चुनावों से पूर्व पार्टी को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। यह आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान बनने वाली स्थिति के लिए एक संकेत भी है। कांग्रेस ने देश के अन्य भागों के विपरीत कर्नाटक में भाजपा खेमे में जा चुके अपने नेताओं की घर वापसी करने में सफलता अर्जित की है। कुछ हफ्ते पूर्व भाजपा विधायक दल के सदस्य पुट्टरा भी भाजपा से इसी लाफेकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

■ **पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकम्प के कारण 5० इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं**

इस्लामाबाद, 22 मार्च (वार्ता)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकम्प के कारण जानमाल को काफी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रंत में मंगलवार को आये तेज भूकंप के झटकों के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और 4.4 अन्य घायल हो गये। अफगानिस्तान में भी भूकम्प से 3 लोगों की मौत हो गई तथा 80 अन्य लोग घायल भी हुये हैं। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल बासित ने बुधवार को स्थानीय मीडिया को बताया कि भूकंप से कम से कम 19 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

राजमिण्टी, इस्लामाबाद, मनसेहरा, एबटाबाद, मुजफ्फराबाद, पेशावर, हरिरपुर, मर्दन, चित्राल, चारसाहा और अन्य सहित देश के उत्तरी हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये

■ **पाकिस्तान और अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत हो गई तथा करीब 125 लोग घायल हुये हैं।**

गये थे।
स्थानीय मीडिया के अनुसार पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गए, हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसके अलावा लोहोर, मुल्तान, फैसलाबाद, मुजफ्फरगढ़, साहीवाल, ओकारा और अन्य शहरों में भूकंप के झटके महसूस किया गए।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केन्द्र हिंदुकुश क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान के जुर्म शहर है। इसके कर्तबगार कोशिका में स्थित था। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने भूकंप की तीव्रता 6.8, जबकि अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 6.5 बताई है।

डॉन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में भी भूकंप के झटके महसूस किए गये।

मैरिडल रेप अपराध है या नहीं'

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 22 मार्च। सुप्रीम कोर्ट वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण पर 9 मई को सुनवाई करने पर सहमत हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 11 मई को दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में एक विभाजित फैसला दिया था।

सीनियर एडवोकेट ईंदरा जयसिंह ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी. वाय. चन्द्रचूड की अध्यक्षता वाली एक बेंच के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने बेंच को बताया कि इस केस के क्रमिक तर्क

■ **सुप्रीम कोर्ट इस केस पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है और मामले पर 9 मई को सुनवाई होगी।**

और सामान्य संकलन तैयार हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐक्ट सरकार का जवाब तैयार है और उसका सूक्ष्म परीक्षण किया जाना है।

बेंच ने कहा कि “केस को 9 मई 2023 के लिए लिस्ट किया जाए।” शीर्ष अदालत ने वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण से संबंधित दायर कई याचिकाओं पर 16 जनवरी को केन्द्र सरकार से प्रत्युत्तर देने को कहा था।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केन्द्र सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए सी.जे.आई., डी. वाय. चन्द्रचूड की अध्यक्षता वाली बेंच को बताया कि इस मुद्दे के कानूनी के साथ ही सामाजिक मान्यते हैं और सरकार याचिकाओं के लिए अपना जवाब प्रस्तुत करना चाहेगी।

‘मैंने कभी लंदन...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
कि वह अंधानी का बचाव क्यों कर रहे हैं और उनकी जांच के लिए जे.पी.सी. के गठन की विपक्ष की मांग पर संसद की कार्यवाही तक अवरूढ़ की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जे.पी.सी. की हमारी मांग जारी रहेगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता अमितभद्र दुबे का भी परिचय करवाया जो मोदी से प्रतिदिन पूछे जाने वाले तीन प्रश्न तैयार करते रहे हैं। जयराम ने कहा कि वह प्रधामंत्री मोदी से अब तक 99 प्रश्न पूछ चुके हैं और इनका समापन प्रश्न संख्या 100 से किया गया है। “हम इस शृंखला को मोदी से यह अंतिम प्रश्न पूछकर खत्म करते हैं कि क्या आप अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली तमाम जांच एजेंसियों का उपयोग कर राष्ट्रीय हित में काम करेंगे।”

राहुल ने कहा कि मीडिया को यह पूछना चाहिए कि अडानी में ऐसा क्या है जो पूरी सरकार उनका बचाव कर रही है और संसद को नहीं चलने दे रही। उन्होंने कहा कि जे.पी.सी. में भाजपा का बहुमत होगा और उसका चैयरमैन भी भाजपा से ही होगा, लेकिन विपक्ष फिर भी सरकार को कटघरे में खड़ा करेगा। जयराम ने कांग्रेस शासन के दौरान वर्ष 1992 और फिर वर्ष 20०1 में जे.पी.सी. गठित किए जो का उदाहरण दिया। दोनों बार शेयर बाजार के घोटालों को लेकर जे.पी.सी. गठित की गई थी।

जयराम ने इस पर भी जोर दिया कि राहुल से क्षमा मांगने की मांग और अडानी के वित्तीय घोटालों के बीच कोई लिंक नहीं है।

राहुल के विदेश में दिए गए भाषणों को भाजपा द्वारा विकृत रूप दिए जाने को कांग्रेस स्वीकार नहीं करेगी और ना ही वह अडानी के मुद्दे को डायवर्ट करने की अनुमति देगी।

‘मोदी सिर्फ एक ही पार्टी के प्र.मंत्री लगते हैं’ तथा राहुल गांधी पढ़े-लिखे व समझदार हैं’

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा कि, लोकतंत्र का मतलब सिर्फ मतदान नहीं होता इसका मतलब है स्वतंत्रता सभी संस्थानों की, विश्वविद्यालयों की और पुलिस की भी

नई दिल्ली, 22 मार्च। एक प्रमुख न्यूज चैनल इंडिया टीवी के साथ सुख बातचीत में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अपनी हालिया लंदन यात्रा के दौरान भारतीय लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी, कैसे भारत में संस्थानों पर कब्जा किया जा रहा है और देश में वर्तमान सरकार पर उनके विचार के बारे में बात की। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे जाने–माने राजनेताओं के परिवार से आते हैं और राहुल की वंशावली है, इसलिए स्वाभाविक रूप से उन्हें बहुत ध्यान मिलता है। पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष में राहुल गांधी ही एकमात्र राष्ट्रीय नेता हैं और बाकी सब मुख्य रूप से स्थानीय नेता हैं क्योंकि

आंध्र में मु.मंत्री व पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बीच ही है, जो हमेशा की तरह राज्य विधानसभा की कार्यवाही में बाधाएँ डालती रही है। मंगलवार को, “लोबल इन्वेस्टर्स समिट इन्वेस्टमेंट्स– स्किल डवलपमेंट फॉर यूथ– एम्प्लॉयमेंट” पर राज्य विधानसभा में एक अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुये, मुख्यमंत्री रेड्डी ने पहली बार एक कथित रिक्ल डवलपमेंट घोटाले में सीधे ही नयडू का नाम लिया तथा उन पर पूरे पैसों को अद्रुत्थक रूप से बेनीमी खातों में पहुँचा देने का आरोप लगाया। नयडू के शासनकाल की फाइलें देखकर पता चलता है कि पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव तथा प्रधान वित्त सचिव पर एक स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम को प्रोत्साहित करने के लिये दबाव डाला था तथा एक इकरारनामा करने के मामले में सारे नियम–कायदे ताक पर रख दिये गये थे। रेड्डी ने नयडू तथा उनकी सरकार हमला करते हुये, सीमेन्स की एक अदरूनी रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसने कथित रूप से घोटाले का सहारा लिया था।

रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री नयडू पर

कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। सरकार के इस आरोप का जवाब देते हुए कि राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र पर अपनी टिप्पणी से देश का अपमान किया, सैम पित्रोदा ने कहा कि वे उनकी (राहुल) टिप्पणी पर रक्षात्मक नहीं होने जा रहे हैं। सच्चाई को बाहर आने की जरूरत है। इस वैश्विक युग में आप कुछ भी नहीं छिपा सकते... इसलिए आप क्या और कहाँ कहते हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आप जो भी कहते हैं वह वैश्विक हो जाता है।

सैम पित्रोदा ने कहा कि लोकतंत्र स्वतंत्रता, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और पुलिस में स्वतंत्रताके बारे में है और यह केवल मतदान के बारे में नहीं है बेशक यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

तमिलनाडू की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 4 की मौत

चेन्नई, 22 मार्च (वार्ता)। तमिलनाडू में कांचीपुरम जिला के कुरुमिलताई गांव में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट होने से बुधवार को कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी और 2० से अधिक लोग घायल हो गये। पुलिस फौजालय में से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस घटना में चार लोगों की

■ **इस हादसे में कम से कम 20 अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये।**

मौत हुए हैं। मृतकों में पटाखा फैक्ट्री का मालिक सुदर्शन (31) भी शामिल है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कांचीपुरम के सरकारी अस्पताल में भेज दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है।

‘जिले गठन के लिए वैधानिक प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है’

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, जिले गठन के लिए लैण्ड रैवेन्यू एक्ट 1956 लागू होता है, लेकिन इसकी जरा भी पालना नहीं हुई है

■ **राठौड़ ने कहा, कांग्रेस के मंत्री व विधायकों की धमकियों के चलते की गई नए जिलों की घोषणा।**

■ **उन्होंने यह भी कहा कि, भाजपा डॉक्टरों से अपील करती है कि, लोगों की जिन्दगी बड़ी अनमोल है, मरीजों का ईलाज जारी रखना चाहिए।**

का पर्यटक पृष्ठता है कि राजस्थान को राजधानी कौनसे जिले में है, रद्द और खेडली को ग्राम पंचायत से सीधे ही जिला बना दिया, तहसील से उपखंड बनते देखा, लेकिन ग्राम पंचायत से सीधे ही जिला बनना कांग्रेस की किस भावना को दर्शाता है। जबकि 7 ऐसे शहर हैं जो जिले की मांग को लेकर पिछले 4-5 दिनों से बंद चल रहे हैं और कांग्रेस द्वारा नियमों के विपरीत 5 पंचायतों की बना दी गई हैं, जो नियम के

विरुद्ध हैं। अब भाजपा का जनहित में लगातार संघर्ष जारी रहेगा।

राठौड़ ने कहा कि, चिकित्सा के क्षेत्र में पूर्व में चल रही चिरंजीवी योजना के 60 प्रतिशत कलेम प्राइवेट अस्पतालों में होते है, जो अधिकांश बंद हैं, राजस्थान में आज अराजकता का माहौल बना हुआ है, राज्य में जितने भी नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, उनमें निरीक्षण के नाम पर खाना पृति की जा रही है, चिरंजीवी

^[1] राष्ट्रदूत हिन्दू संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्याईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, कुम्हार से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रौड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513

^[2] छत्रपति सिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय: उदयपुर हाउस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:01545-2624665 जालौर कार्यालय: - जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डीनसिटी कार्यालय: - जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908
